BSNLEU/604(DEV) **06.06.2019**

प्रति,

श्री रविशंकर प्रसादजी,
माननीय संचार मंत्री,
संचार भवन, 20, अशोका रोड,
नई दिल्ली- 110001

महोदय,

विषय:- BSNL के रिवाइवल से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों बाबद।

सर्वप्रथम, BSNLEU, BSNL में प्रमुख मान्यता प्राप्त यूनियन, आप के संचार और प्रौद्योगिकी मंत्री पद का पदभार ग्रहण करने पर हार्दिक अभिनंदन करती है। इस अवसर पर BSNLEU आपका स्वागत करते हूए आपके वक्तव्य , BSNL और MTNL का सुदृढ रहना राष्ट्रहित में जरूरी है, की भूरी भूरी प्रशंसा करती है। BSNL और MTNL को पेशेवराना तौर से प्रतिस्पर्धात्मक रवैया अख्तियार करने के आपके दृष्टिकोण का BSNLEU भी समर्थन करती है। इस संबंध में, हमें स्मरण है कि, संचार और प्रौद्योगिकी मंत्री के रूप में अपने पूर्व कार्यकाल के दौरान आपके द्वारा कहा गया था कि 2004 से 10 वर्षों तक BSNL को प्रगति करने का मौका ही नही दिया गया। आपके द्वारा BSNL की सुदृढ़ता हेतु किए जा रहे आपके हर प्रयास में BSNLEU आपके हाथ मजबूत करने हेतु आश्वासित करती है।

यहां यह बताना मौजू होगा कि रिलायंस जियो द्वारा अपनाई गई प्रिडेटरी प्राइसिंग (लागत से कम मूल्य) की वजह से सम्पूर्ण टेलीकॉम सेक्टर तनावपूर्ण स्थिति में है। इस वजह से सभी टेलीकॉम सेवा प्रदाता, एयरटेल और वोडाफोन आईडिया सहित, घाटे की स्थिति में पहूंच चुके हैं। इसके बावजूद, ऐसी तनावपूर्ण स्थिति में भी रिलायंस जियो के अलावा केवल BSNL ही अपने मोबाइल ग्राहकों की संख्या में निरंतर रूप से प्रति माह वृद्धि कर रहा है। ऐसी परिस्थिति में हम यहां उल्लेखित करना चाहेंगे कि सरकार द्वारा BSNL को 4G स्पेक्ट्रम का त्वरित आवंटन BSNL की सुदृढ वित्तीय स्थिति की तीव्र गति से पुनर्स्थापना में मददगार साबित होगा।

इन कठिन परिस्थितियों में, हमारी जिम्मेदारी बन जाती है कि आपके यह संज्ञान में लाया जाए कि सितंबर 2000 यानी BSNL की स्थापना के अवसर पर कैबिनेट द्वारा लिए गए 2 महत्वपूर्ण निर्णयों का क्रियान्वयन होना अभी तक शेष है। ये दोनों ही निर्णय BSNL के वित्तीय उन्नयन के नजरिए से बेहद महत्वपूर्ण है। प्रथम निर्णय यह था कि सरकार BSNL की वित्तीय सुदृढ़ता के लिए हर संभव प्रयास करेगी। यह बताना आवश्यक है कि इस निर्णय का पूर्णतः पालन किया जाना चाहिए। दूसरा निर्णय था कि विभाग की सभी संपत्ति और जिम्मेदारियां (assets and liabilities) BSNL को स्थानांतरित कर दी जाएगी। हालांकि जिम्मेदारियां तो BSNL को हस्तांतरित की जा चुकी है किंतु संपत्ति का हस्तांतरण अभी भी शेष है। हम आपसे अनुरोध करते हैं कि इस पर गौर करें और यथोचित कार्यवाही करें।

इस विषम परिस्थिति में हम आपका ध्यान DoT और BSNL प्रबंधन द्वारा BSNL के वित्तीय हालात सुधारने के नाम पर VRS लागू करने और साथ ही रिटायरमेंट की आयु सीमा 60 से 58 किए जाने की कोशिशों की ओर भी आकृष्ट करना चाहेंगे। वर्तमान में कुल 1,65,657 कर्मचारियों की संख्या में से आगामी 4 वर्षों में यानी अप्रैल 2024 तक 79,295 कर्मचारी वैसे ही रिटायर होने जा रहे हैं। ऐसे में BSNL में VRS तत्परता के साथ लागू करने का तर्क हमारी समझ से परे है। साथ ही, 2000 में सरकार द्वारा तत्कालीन मान्यताप्राप्त फेडरेशन्स को दिए गए आश्वासन के अनुसार BSNL कर्मियों पर भी रिटायरमेंट की आयु सीमा के संबंध में सरकार के नियम ही लागू होंगे। आपसे अनुरोध है कि इन पहलुओं पर विचार करें।

BSNL के रिवाइवल से जुड़ा एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि, देश भर में कंपनी के पास रिक्त भूमि उपलब्ध है, जिसका मूल्य रु 1 लाख करोड़ से अधिक आंका गया है। BSNL के प्रबंधन का यह अनुमान है कि BSNL इस रिक्त जमीन को किराए/लीज पर देने से रु 5000 करोड़ से रु 10,000 करोड़ प्रति वर्ष अर्जित कर सकता है। किंतु, DoT द्वारा इस रिक्त जमीन के मोनेटाइजेशन हेतु आवश्यक अनुमोदन अभी तक नही दिया गया है। साथ ही, पेंशन कॉन्ट्रिब्यूशन के संबंध में BSNL में सरकार के नियम का अनुपालन नही होने के परिणामस्वरूप पेंशन कॉन्ट्रिब्यूशन के रूप में भारी राशि अतिरिक्त रूप से BSNL से वसूली जा रही है। इस मुद्दे पर DoT द्वारा शीघ्र निर्णय BSNL के वित्तीय उन्नयन की दिशा में सहायक साबित होगा।

अंत में, BSNL कर्मियों के लिए 3rd पे रिवीजन के क्रियान्वयन के साथ साथ BSNL से रिटायर हो चुके कर्मियों के पेंशन रिवीजन के मुद्दे कर्मचारियों को और पेंशनर्स को मानसिक तौर पर उद्वेलित कर रहे हैं। इन दोनों मुद्दों पर त्वरित और सकारात्मक निर्णय BSNL के एग्जीक्यूटिव्ज और नॉन एग्जीक्यूटिव्ज को BSNL के रिवाइवल हेतु व्यापक रूप से उनकी ऊर्जा के पूर्ण दोहन हेतु प्रेरित करेंगे।

उपरोक्त मुद्दों पर विचार करने और इन मुद्दों का सकारात्मक निराकरण सुनिश्चित करने का आपसे अनुरोध है।

धन्यवाद महोदय,
भवदीय,

(पी. अभिमन्यु)
महासचिव